vinetur

अमेरिकी शुल्कों के दबाव में 2026 की पहली छमाही में इतालवी वाइन निर्यात 6.2% घटा

इटली के सबसे बड़े विदेशी बाजार अमेरिका में वाइन बिक्री 14.1% गिरकर €849 मिलियन रह गई, जिससे छोटे बाजारों की ओर रुख बढ़ा

शनिवार, 21 नवंबर 2026



शुक्रवार, 20 नवंबर को रोम में पेश किए गए उद्योग के आंकड़ों के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही में इतालवी वाइन निर्यात कमजोर पड़ा। शुल्कों के दबाव में अमेरिका की मांग धीमी रही, जबकि कुछ छोटे उभरते बाजारों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

इन आंकड़ों पर Consorzio Italia del Vino की पहल पर आयोजित इतालवी वाइन संस्कृति के कार्यक्रम Win& में चर्चा हुई। ये Istat के आंकड़ों पर आधारित थे, जिन्हें Unione Italiana Vini की वेधशाला ने संसाधित किया था, और इनमें Nomisma की वाइन बाजार इकाई Wine Monitor का विश्लेषण भी शामिल था। बुधवार, 18 नवंबर को Il Sole 24 Ore की एक रिपोर्ट में भी इन निष्कर्षों का उल्लेख किया गया।

Istat पर आधारित आंकड़ों के मुताबिक, 2026 के पहले छह महीनों में इतालवी वाइन निर्यात €3.6 अरब से थोड़ा अधिक रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि से मूल्य में 6.2% और मात्रा में 4% कम था। वाइन के लिए इटली के सबसे बड़े विदेशी बाजार अमेरिका में बिक्री 14.1% गिरकर €849 मिलियन रह गई। रोम के कार्यक्रम में पेश Nomisma की अलग गणनाओं में अमेरिकी बाजार में 18% से अधिक गिरावट का संकेत मिला। अनुमान अलग-अलग होने के बावजूद, ये आंकड़े मंदी की व्यापकता को रेखांकित करते हैं।

यह गिरावट केवल इटली तक सीमित नहीं है। कार्यक्रम में उद्धृत आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया के प्रमुख वाइन निर्यातकों में 2026 के पहले नौ महीनों के दौरान इटली का निर्यात 2% घटा। फ्रांस में 0.4% की गिरावट आई, जबकि स्पेन का निर्यात 8% और चिली का 11% गिरा।

अमेरिका को होने वाली खेपों पर दबाव पर व्यापक पेय कारोबार में करीब से नजर रखी जा रही है, क्योंकि इससे पता चलता है कि किसी बड़े पेय निर्यातक की निर्भरता एक ही बाजार पर कितनी जोखिमभरी हो सकती है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि व्यापारिक तनाव का असर मात्रा, कीमतों और वितरण पर पड़ने लगे तो वाइन उत्पादकों और संभवत: अन्य पेय निर्यातकों को अपने बाजारों में विविधता लाने की प्रक्रिया तेज करनी पड़ सकती है।

Wine Monitor ने बताया कि उसने इस साल 13 उभरते बाजारों के समूह पर नजर रखना शुरू किया है : अंगोला, बुल्गारिया, कोलंबिया, आइवरी कोस्ट, भारत, कजाखस्तान, मोरक्को, मेक्सिको, पेरू, पोलैंड, चेक गणराज्य, रोमानिया और थाईलैंड। यह समूह आयातित वाइन के वैश्विक मूल्य का लगभग 5% है, लेकिन इसमें ऐसे विकासशील देश शामिल हैं जहां शहरीकरण बढ़ रहा है और मध्यम वर्ग का विस्तार हो रहा है।

पहली छमाही में चेक गणराज्य में सबसे अधिक वृद्धि हुई। वहां इतालवी वाइन की बिक्री मूल्य के आधार पर 22% और मात्रा के आधार पर 16.5% बढ़ी। बोतलबंद स्थिर और हल्की स्पार्कलिंग वाइन के लिए यह निगरानी वाले समूह का सबसे बड़ा गंतव्य बन गया। इसके उलट, इसी श्रेणी में पोलैंड और मेक्सिको में दोहरे अंकों की गिरावट दर्ज की गई।

Nomisma की निगरानी वाले अधिकांश उभरते बाजारों में स्पार्कलिंग वाइन सबसे मजबूत श्रेणी बनी रही। कोलंबिया में इसकी बिक्री दोहरे अंकों में बढ़ी और कजाखस्तान में 50% से अधिक, हालांकि वहां इसका शुरुआती आधार अपेक्षाकृत छोटा था। Nomisma ने यह भी बताया कि उसकी 2025 की रिपोर्ट में 13 में से किसी भी बाजार में Prosecco के मूल्य या मात्रा में गिरावट दर्ज नहीं हुई।

लंबी अवधि के रुझान भी इसी दिशा की ओर इशारा करते हैं। रोम में पेश आंकड़ों के मुताबिक, 2015 से 2025 के बीच रोमानिया में इतालवी वाइन निर्यात 507%, तुर्की में 325% और वियतनाम में 264% बढ़ा, जबकि वैश्विक औसत वृद्धि 45% रही। Wine Monitor के प्रमुख Denis Pantini ने ब्राजील का भी उल्लेख किया, जहां इतालवी वाइन की बिक्री 6% बढ़ी, जबकि समूचा बाजार 2.1% बढ़ा।

अगर यूरोपीय संघ-मर्कोसुर समझौते को योजना के अनुसार चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाता है, तो ब्राजील का महत्व और बढ़ सकता है, क्योंकि इस समझौते में आयात शुल्कों को धीरे-धीरे घटाने का प्रावधान है। कार्यक्रम के वक्ताओं ने यह भी कहा कि उत्पादकों को टिकाऊपन, संस्कृति और तकनीकी कौशल में अधिक निवेश करना होगा और उपभोक्ताओं से संवाद को सरल तथा अधिक सीधा बनाना होगा।

यह मुद्दा वेनेटो क्षेत्र के लिए खास तौर पर अहम है। यह इटली का सबसे बड़ा वाइन निर्यातक क्षेत्र है और विदेशों में मांग घटने से सबसे अधिक प्रभावित हो सकने वाले क्षेत्रों में शामिल है। Istat के आंकड़ों पर आधारित Veneto Agricoltura की आर्थिक वेधशाला के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही में वेनेटो का वाइन निर्यात €1.32 अरब रहा, जो 8.4% कम था। यह राष्ट्रीय गिरावट से दो प्रतिशत अंक से भी अधिक बड़ी गिरावट थी। इसके बावजूद, इतालवी वाइन निर्यात के कुल मूल्य में वेनेटो की हिस्सेदारी 36.3% रही।

कमजोरी 2025 में ही दिखने लगी थी। वेनेटो से निर्यात की मात्रा 1.2% बढ़ी, लेकिन उसका मूल्य 1.1% घटकर €2.93

अरब रह गया, जो औसत कीमतों में गिरावट का संकेत है। वेनेटो की वाइन करीब 150 देशों में बेची जाती है, लेकिन उसके निर्यात मूल्य का 89% केवल 20 बाजारों में केंद्रित है। इतनी अधिक बाजार-सांद्रता उत्पादकों को अमेरिकी शुल्कों जैसे अचानक लगने वाले व्यापारिक झटकों के प्रति अधिक संवेदनशील बना देती है।

Confagricoltura Veneto ने कहा कि आंकड़े दिखाते हैं कि वाइन कंपनियों के लिए बाजारों में विविधता लाना अब वैकल्पिक नहीं रहा। कृषि संगठन के मुताबिक, उत्पादकों को गैर-यूरोपीय संघ के देशों में वाइन क्षेत्र के समर्थन उपायों के तहत उपलब्ध प्रचार निधि का अधिक पूरा इस्तेमाल करना चाहिए, खासकर अधिक संभावनाओं वाले उभरते बाजारों में। संगठन ने कंपनियों से यूरोपीय संघ-मर्कोसुर जैसे व्यापार समझौतों का लाभ उठाने और साथ ही पारस्परिक नियमों की मांग करने का भी आह्वान किया। उसने कीमतों को समर्थन देने के लिए आपूर्ति और उत्पादन क्षमता का प्रबंधन जारी रखने की जरूरत पर भी जोर दिया।

संगठन ने यह भी कहा कि निर्यातकों को विदेशी बाजारों, विपणन और उपभोक्ताओं की बदलती आदतों के बारे में बेहतर प्रशिक्षण की जरूरत है। यह 2026 में इटली के वाइन कारोबार के सामने मौजूद व्यापक चुनौती को दर्शाता है : स्थापित बाजार भले ही अहम बने हुए हैं, लेकिन अमेरिका में कमजोर मांग उत्पादकों को छोटे और कम विकसित बाजारों में वृद्धि तलाशने के लिए प्रेरित कर रही है। इन बाजारों में विस्तार की गुंजाइश अधिक हो सकती है, लेकिन वहां नई व्यावसायिक रणनीतियों की भी जरूरत होगी।